सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भूकम्प आपदा की तैयारियों को लेकर ऑनलाइन ओरिएंटेशन एवं पेज: 4

ट्रोलिंग को सफलता की कहानी का हिस्सा मानती पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 150 | शुक्रवार 04 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

छुआछूत की घटना थी 'शुद्धीकरण', हम राज्यसभा के सभापति से भी संपर्क करेंगे: मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुए कथित शुद्धीकरण के मामले को "छुआछूत की घटना" करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी इस मामले में राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन से भी संपर्क करेगी। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस मामले पर चुप क्यों हैं? खरगे ने कहा, "प्रधानमंत्री जी इस विषय पर चुप हैं, क्यों चुप हैं? अगर वह दलित होते और उन पर यह सब गुजरता तो क्या वह चुप बैठते? अमित शाह भी चुप हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी घटना सार्वजनिक रूप से हुई, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। खरगे ने कहा कि उन्होंने इसे मामले पर केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा को पत्र लिखा है

नालसार विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने रद किया बीसीआई का आदेश, कहा- छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पास लॉ स्टूडेंट्स के व्यवहार को रेगुलेट करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। कोर्ट ने हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के स्टूडेंट्स के खिलाफ जारी बीसीआई के दो नोटिफिकेशन्स को रद कर दिया। ये आदेश यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (उखक) सूर्य कांत की प्रस्तावित भागीदारी को लेकर स्टूडेंट्स के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े थे। यह बात कोर्ट ने तब कही जब बीसीआई ने शुरू में राज्य बार काउंसिल्स को निर्देश दिया था कि वे नालसार के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स को एडवोकेट के तौर पर एनरोल न करें। यह निर्देश तब आया था जब स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के

तौर पर सीजेआई सूर्यकांत के प्रस्तावित शामिल होने का विरोध किया था। नालसार विवाद कैसे शुरू हुआ? यह विवाद तब शुरू हुआ जब नालसार के कई स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी से सीजेआई सूर्यकांत को दिए गए निमंत्रण पर फिर से विचार करने की मांग करते हुए अपनी बात रखी। स्टूडेंट्स ने उन टिप्पणियों का जिक्र किया जो सीजेआई ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस ज्यादती से जुड़ी सुनवाई के दौरान की थीं। अलग-अलग बैच के स्टूडेंट्स की ओर से कम से कम छह बार अपनी बात रखी गई, जिसमें पहली बार 23 जुलाई को ऐसा किया गया था। स्टूडेंट्स का तर्क था कि सीजेआई को बुलाना यूनिवर्सिटी की संवैधानिक अधिकारों, न्याय तक पहुंच और शिकायतों पर तर्कपूर्ण तरीके से ध्यान देने की प्रतिबद्धता के खिलाफ था। एक शिकायत में सीजेआई की उस

गलत रास्ते पर ले जाने में शामिल थे.....

बीसीआई ने आगे आरोप लगाया कि नालसार के कुछ एकेडमिक स्टाफ सदस्य छात्रों को गुमराह करने, उकसाने और गलत रास्ते पर ले जाने में शामिल थे। इस निर्देश की कानूनी बिरादरी के कुछ वर्गों ने आलोचना की।

प्रतिक्रिया का जिक्र किया गया जो उन्होंने कथित पुलिस कार्रवाई के वीडियो दिखाने के प्रस्ताव पर दी थी, "हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।" इसमें उनके वकील से कहे गए शब्दों का भी जिक्र था, "हमारा समय बर्बाद न करें और अपना समय भी बर्बाद न करें"। स्टूडेंट्स का कहना था कि उनका विरोध संवैधानिक मूल्यों पर आधारित था, न कि न्यायिक पद के प्रति अनादर के कारण। स्टूडेंट बार काउंसिल के सदस्य रहे एक स्टूडेंट ने कहा, "हम सीजेआई के पद का सम्मान करते हैं लेकिन हमें संविधान और संवैधानिक मूल्यों के बारे में सिखाया गया है और हम ऐसी किसी चीज का समर्थन नहीं करना चाहते जो उन मूल्यों के खिलाफ हो।" विवाद तब और बढ़ गया जब बीसीआई के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया कि वे अगले आदेश तक नालसार के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स को वकील के तौर पर एनरोल न करें। बीसीआई ने नालसार से उन छात्रों की पहचान करने के लिए रिपोर्ट मांगी, जिन्होंने कथित तौर पर दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत की भागीदारी के खिलाफ अभियान शुरू किया, आयोजित किया या उसे आगे बढ़ाया। काउंसिल के शुरूआती संदेश में कहा गया, "अगले आदेश तक नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ का कोई भी छात्र, जिसने 2026 में लॉ की डिग्री हासिल की है उसे किसी भी राज्य बार काउंसिल द्वारा वकील के तौर पर एनरोल नहीं किया जाएगा।" इसमें यह भी कहा गया, "जिस लॉ छात्र में देश के सर्वोच्च न्यायिक पद के प्रति कोई सम्मान या आदर नहीं है, उससे एक जिम्मेदार या समझदार वकील, शिक्षक या जज बनने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

'तब तक फाइनल नहीं होगा समझौता', ट्रेड डील पर भारत ने अमेरिका के सामने रखी ये शर्त

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर अपना रुख बिल्कुल साफ कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत इस ट्रेड डील की फाइनल डिटेल्स तभी जारी करेगा, जब अमेरिका हमारे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले भारतीय सामानों पर बेहतर और रियायती टैरिफ शर्तें देने पर सहमत हो जाएगा। 'लीवरेजिंग एफटीए आउटरीच प्रोग्राम' पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि जैसे ही अमेरिका हमारे कॉम्पिटिशन की तुलना में हमें रियायती दर देने में सक्षम होगा, हम बीटीए को अंतिम रूप दे देंगे और इसके बारे में पूरी

जानकारी साझा करेंगे। भारत-अमेरिका ट्रेड डील की मौजूदा स्थिति? बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते पर लंबे समय से बातचीत चल रही है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच को बढ़ाना, व्यापारिक बाधाओं को कम करना और आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करना है। ड्राफ्ट लगभग-लगभग तय इससे पहले बीते जुलाई में अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि इस समझौते का ड्राफ्ट लगभग तैयार है और इसे आने वाले तीन से चार महीनों के भीतर साइन किया जा सकता है। हालांकि, अमेरिकी 'सेक्शन 301' के तहत चल रही ट्रेड जांच इसमें मुख्य बाधा बनी हुई है। अमेरिकी अधिकारी का यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच समझौता कागजों पर तैयार है और इसमें देरी किसी आपसी मतभेद के कारण नहीं, बल्कि सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रियाओं की वजह से है। टैरिफ नीति को लेकर अपनी शर्तों पर अड़ा भारत दूसरी ओर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर भारत अपनी शर्तों में शुरूआत से ही पूरी तरह से अड़ा है। ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ भारत लगातार यह मांग कर रहा है कि अमेरिका ऐसा टैरिफ ढांचा तैयार करे जिससे अन्य देशों के मुकाबले भारतीय निर्यातकों को ग्लोबल मार्केट में स्पष्ट बढ़त मिल सके, तभी जाकर भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर मुहर लगाएगा।

भारत की आर्थिक प्रगति दुनिया के लिए विश्वास का स्रोत है: पीएम मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और बेल्जियम ने गुरुवार को व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अपने सहयोग को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने पर सहमति जताई। पीएम मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में पिछली तिमाही में भारत द्वारा 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज किए जाने का उल्लेख किया और कहा कि देश की आर्थिक प्रगति दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत है। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की स्थिर वृद्धि पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं। भोजन, ईंधन या आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर अनिश्चितता हर क्षेत्र को

प्रभावित कर रही है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछली तिमाही में हमने 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास गाथा दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने को एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि भारत और बेल्जियम ऐसे संबंध बना रहे हैं, जो व्यापक हैं और पहले की तुलना में कहीं अधिक रणनीतिक हैं। रक्षा और सुरक्षा सहयोग प्रमुख स्तंभ पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताया। उन्होंने कहा, आज हमने दोनों देशों के बीच सैन्य आदान-प्रदान और प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाने पर सहमति जताई। हमारी सरकारों और रक्षा उद्योगों के बीच हुए समझौते रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए नए अवसर खोलेंगे। हम अपराध से निपटने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने और अपनी एजेंसियों के बीच सहयोग को भी और मजबूत करेंगे। लोगों के बीच संबंध और गतिशीलता समझौता प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध द्विपक्षीय जुड़ाव की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने स्टार्ट-अप के बीच संपर्क मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने पर भी सहमति जताई। पीएम मोदी ने कहा, हम विश्वविद्यालयों और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग को भी मजबूत करेंगे।

मणिपुर हिंसा में तीन साल में 306 लोगों की मौत, 49 अब भी लापता; विधानसभा में सरकार ने जारी किया आंकड़ा

इंफाल। मणिपुर हिंसा में मई 2023 से अब तक 306 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 49 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य के गृह मंत्री गोविंदस कोंथौजम ने आज गुरुवार, 3 सितंबर को विधानसभा में यह जानकारी दी। विधानसभा के चल रहे सत्र के दूसरे दिन बीजेपी विधायक सपम रंजन सिंह के एक सवाल का जवाब देते हुए कोंथौजम ने कहा कि ये आंकड़े 31 अगस्त, 2026 तक दर्ज किए गए थे। मणिपुर हिंसा में 306 लोगों की मौत राज्य के गृह मंत्री गोविंदस कोंथौजम ने कहा, '3 मई, 2023 को हिंसा शुरू होने के बाद से 306 लोगों की मौत हुई है और 31 अगस्त, 2026 तक 49 लोग अभी भी लापता हैं।' लंबे समय तक चली इस हिंसा के कारण बड़े पैमाने पर लोगों को विस्थापित होना पड़ा और राज्य में कई महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम हुए। मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष 3 मई, 2023 को शुरू हुआ था, जब

पहाड़ी जिलों में मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग के विरोध में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किया गया था। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की हिस्सेदारी लगभग 53 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि नागा और कुकी सहित आदिवासी आबादी लगभग 40 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं। मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष के बीच तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया। इसके बाद 60 सदस्यीय विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। 4 फरवरी, 2026 को राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया, जिससे बीजेपी नेता युमनाम खेमचंद सिंह के मुख्यमंत्री के रूप में नई सरकार के गठन हुआ।

सबरीमाला सोना चोरी मामला: पूर्व टीडीबी अध्यक्ष प्रशांत को चिकित्सा आधार पर मिली जमानत

केरलम : सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर से कथित रूप से सोना चोरी के मामले में गिरफ्तार त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष पी. एस. प्रशांत को एक सतर्कता अदालत ने आज चिकित्सा आधार पर जमानत दे दी। कोल्लम सतर्कता अदालत के न्यायाधीश मोहित सी. एस. ने पूर्व टीडीबी अध्यक्ष को उनकी चिकित्सकीय स्थिति पर विचार करने के बाद जमानत प्रदान की। प्रशांत को पिछले महीने मस्तिष्क में रक्तस्राव के बाद जेल से तिरुवनंतपुरम के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था। इससे पहले अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। नयी याचिका दायर करने के बाद प्रशांत के वकील ने अदालत को बताया कि उन्हें बेहतर उपचार की आवश्यकता है और उन्होंने जमानत दिए जाने का अनुरोध किया। अदालत ने प्रशांत के चिकित्सा दस्तावेजों पर गौर करने के बाद उन्हें जमानत प्रदान कर दी। प्रशांत सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों से कथित रूप से सोना गायब होने से जुड़े मामले में 17वें आरोपी हैं। प्रशांत ने 2023 से 2025 तक टीडीबी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। उन्हें विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था। वह पहले कांग्रेस में थे और बाद में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से जुड़े। एसआईटी की ओर से दाखिल रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, प्रशांत, टीडीबी के सदस्यों अजीकुमार और जी. सुंदरसन ने 2024 में शबरिमला में द्वारपालक मूर्तियों के रखरखाव कार्य को कराने के लिए

अश्विनी वैष्णव ने रेलवे सुरक्षा में तकनीकी और रखरखाव संबंधी कमियां दूर करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को रेल भवन में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा बैठक की और तकनीकी तथा रखरखाव से जुड़ी कमियों को मिशन मोड में दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने निम्न गुणवत्ता वाली आपूर्ति और जानबूझकर की गई लापरवाही के मामलों में सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। सिग्नलिंग की तकनीकी कमियां मिशन मोड में हों दूर बैठक में रेल मंत्री ने सिग्नलिंग से संबंधित तकनीकी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की तकनीकी खामी को लंबित न रखा जाए और उसे मिशन मोड में ठीक करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। ओएचई के पुराने कंपोनेंट्स बदलने पर जोर ओवरहेड इक्विपमेंट की समीक्षा के दौरान अश्विनी वैष्णव ने उन स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई

सुनिश्चित करने को कहा, जहां उपकरणों या कंपोनेंट्स की निर्धारित सेवा अवधि पूरी हो चुकी है। उन्होंने ऐसे कंपोनेंट्स के समय पर रखरखाव और जरूरत के अनुसार प्रतिस्थापन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कोचों की फायर सेफ्टी व्यवस्था की समीक्षा रेल मंत्री ने कोचों के रखरखाव को लेकर भी अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से फायर सेफ्टी से जुड़े इलेक्ट्रिकल सर्किट और वायरिंग पर ध्यान देने तथा वर्कशॉप में मेंटेनेंस के स्तर को और बेहतर बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े उपकरणों और प्रणालियों के रखरखाव में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कपलर और पहियों के रखरखाव पर भी ध्यान अश्विनी वैष्णव ने वैगन और कोच के कपलर तथा पहियों के रखरखाव को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इन महत्वपूर्ण हिस्सों की जांच और रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। ट्रैक और फास्टनर की स्थिति पर नजर ट्रैक के रखरखाव की समीक्षा के दौरान पॉइंट मशीन, टर्नआउट और फास्टनर के उचित रखरखाव पर जोर दिया गया।

चेन्नई में बनेगी वर्ल्ड क्लास 'ओलंपिक सिटी' और 'मोटरस्पोर्ट्स सिटी', तमिलनाडु के सीएम विजय का बड़ा एलान

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने राज्य में खेल के बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। सीएम विजय ने चेन्नई को ओलंपिक सिटी बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही सीएम विजय ने फॉमूर्ला 1 रेस की मेजबानी के लिए चेन्नई में एक मोटर स्पोर्ट्स सिटी बनाने का भी एलान किया है। दरअसल, गुरुवार को सीएम विजय ने चेन्नई में एक विश्व स्तरीय 'तमिलनाडु ओलंपिक शहर' और फॉमूर्ला 1 रेसों की मेजबानी के लिए एक समर्पित 'मोटरस्पोर्ट्स शहर' स्थापित करने का एलान किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य में इंटरनेशनल लेवल के एथलीट तैयार करना और पर्यटन व ऑटो निर्माण उद्योग के जरिए आर्थिक विकास को गति देना है। सीएम विजय ने विधानसभा में कहा कि मोटर स्पोर्ट्स में युवाओं की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें ट्रेनिंग और रेसिंग के मौके दिए जाएंगे, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन बन सकें। लंपिक सिटी में कौन-कौन सी सुविधाएं होंगी? मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को विधानसभा में घोषणा की कि उनकी सरकार चेन्नई में विश्व स्तरीय तमिलनाडु ओलंपिक शहर की स्थापना करेगी। ओलंपिक सिटी

का विकास तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा और इसमें विश्व स्तरीय खेल मैदान, अत्याधुनिक खेल उपकरण, एक उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण केंद्र और समर्पित खेल विज्ञान और खेल

मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को विधानसभा में घोषणा की कि उनकी सरकार चेन्नई में विश्व स्तरीय तमिलनाडु ओलंपिक शहर की स्थापना करेगी। ओलंपिक सिटी का विकास तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा

चिकित्सा केंद्र होंगे। इस सुविधा केंद्र में खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए आवास सहित आधुनिक बुनियादी ढांचा भी होगा। ओलंपिक सिटी का उद्देश्य ओलंपिक सिटी का उद्देश्य एक एकीकृत खेल केंद्र बनाना है ताकि एथलीटों को उन्नत प्रशिक्षण और सहायता सुविधाएं प्रदान की जा सकें, जिससे तमिलनाडु के खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अधिक पदक जीतने में मदद मिल सके। विजय ने कहा, "विश्व स्तरीय, ओलंपिक मानकों के अनुरूप अवसंरचना और आवासीय सुविधा सहित प्रशिक्षण संरचना का निर्माण किया जाएगा। इससे चेन्नई को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी करने और ओलंपियन तैयार करने में मदद मिलेगी।" मोटरस्पोर्ट्स शहर की भी घोषणा मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि चेन्नई में फॉमूर्ला 1-4 रेसों की मेजबानी के लिए एक समर्पित मोटरस्पोर्ट्स शहर स्थापित किया जाएगा।

फॉमूर्ला 1 रेस की मेजबानी के लिए चेन्नई में एक मोटर स्पोर्ट्स शहर भी स्थापित किया जाएगा। मोटर स्पोर्ट्स में युवाओं की प्रतिभाओं की पहचान की जाएगी और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन तैयार करने के लिए प्रशिक्षण और रेसिंग के अवसर प्रदान किए जाएंगे। विश्व स्तरीय मोटर वाहन कार रेसिंग मैदानों की स्थापना से पर्यटन, विशेष वाहन निर्माण उद्योगों, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर मिलेंगे।

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है।

निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुदुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में ह्यएक जैसी शिक्षाह्ण की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए। आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

जन्माष्टमी का संदेशः उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा।

जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

रजबपुर क्षेत्र में हाईवे 9 पर सड़क हादसे में हुई युवक की मौत के मामले में पुलिस किया केस दर्ज, जांच पड़ताल शुरू

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 9 पर सड़क हादसे में हुई युवक की मौत के मामले में थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि रजबपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर हुए सड़क हादसे में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में बाइक सवार नाजिम की मौत हो गई थी। वह अपने भांजे साकिब के साथ मुरादाबाद से दिल्ली जा रहे था।मृतक नाजिम के भाई जाबिर हुसैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि

उसका भाई नाजिम (अब्दुल अजीज के बेटे) और भांजा साकिब (शमशाद के बेटे, आजाद नगर, गजरौला के रहने वाले) 21 जून 2026 को रात करीब 8 बजे मोटरसाइकिल से मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रहे थे। कुछ देर बाद भांजे साकिब ने जीएमएस कॉलेज रजबपुर के पास शौच के लिए बाइक रोकी। साकिब शौच करने के लिए रुकने की जगह से कुछ दूर गया हुआ था। जब वह वापस आया, तो उसे पता चला कि उसके मामा नाजिम को किसी अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार और लापरवाही से टक्कर मार दी है।टक्कर लगने के बाद घायल नाजिम को इलाज के लिए अमरोहा के जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने नाजिम को मृत घोषित कर दिया।इसके बाद जाबिर हुसैन ने पुलिस को मामले की लिखित शिकायत दी और कानूनी कार्रवाई की मांग की। मिली शिकायत के आधार पर 2 सितंबर को रजबपुर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।इस बारे में रजबपुर थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई चल रही है।

धनौरा प्राथमिक विद्यालय में अपराजिता क्लब द्वारा बच्चों को बांटे गए उपहार, बच्चों के चेहरे खिले

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को अपराजिता क्लब द्वारा स्कूल के बच्चों को उपहार भेंट किए गए जिसमें क्लब द्वारा बच्चों को टॉफी ,पेंसिल,चॉकलेट और कोल्ड ड्रिंक बांटी गई, जिसको पाकर सभी बच्चों के चेहरे खुशी से झिलमिला उठे।

बता दें कि इस दौरान क्लब की अध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने वहां उपस्थित बच्चों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों से कहा कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करना ही क्लब का मुख्य उद्देश्य है ,उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर होने चाहिए। क्लब आगे भी सामाजिक और शैक्षणिक कामों में हिस्सा लेता रहेगा, ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चों को हर संभव मदद मिल सके।इस दौरान प्राथमिक महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष नीतू सिंह ने अपराजिता क्लब के इस काम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि समाज के संपन्न लोगों को आगे आकर सरकारी स्कूलों के बच्चों का हौसला बढ़ाना चाहिए। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों की स्कूल आने में रुचि बढ़ती है और वे मन लगाकर पढ़ाई करते है।इस मौके पर अपराजिता क्लब की रेनू अग्रवाल, सृष्टि अग्रवाल मांगलिक,रजनी गर्ग, सीमा शर्मा, सीमा, बबिता गोयल, मनीषा, आरती बंसल और नीलू ने खास योगदान दिया। सभी सदस्यों ने बच्चों को उपहार दिए

और उन्हें रोज स्कूल आने व मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के आखिर में स्कूल के प्रधानाचार्य सुंदर लाल ने अपराजिता क्लब के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। इस मौके पर संदीप भाटिया, ऋषिपाल सिंह, आरती बंसल, मीनू माहौर और प्रयत्नकौर सहित स्कूल का पूरा स्टाफ और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के संबंध में बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों से बाहर निकलते हैं, ऐसे में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने

की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया जाए कि वे जंगल अथवा वन क्षेत्र के समीप अकेले न जाएं, समूह में आवागमन करें तथा किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर उसके निकट जाने अथवा उसे उकसाने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल वन विभाग अथवा प्रशासन को सूचना दें। उन्होंने निर्देश दिए गए कि ग्राम पंचायतों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। पंपलेट, पोस्टर एवं अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री वितरित की जाए। डीपीआरओ के माध्यम से ग्रामों में मुनादी कराई जाए तथा विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को मानव-वन्यजीव संघर्ष से बचाव एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाए। अपर जिलाधिकारी न्यायिक) ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाए तथा किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे जनहानि एवं वन्यजीवों को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, समस्त खंड विकास अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हसनपुर में शिक्षक विधायक लाल बिहारी यादव का प्रथम आगमन, ब्लॉक प्रमुख ने किया स्वागत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर विधानसभा-42 क्षेत्र के ग्राम मंगरौला में गंगा एक्सप्रेस-वे पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष माननीय लाल बिहारी यादव का प्रथम आगमन हुआ। इस अवसर पर गंगेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने उनसे आत्मीय मुलाकात कर गुलदस्ता भेंट कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि लाल बिहारी यादव जैसे अनुभवी और संघर्षशील नेता का क्षेत्र में आगमन हम सभी समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। उनका सरल व्यक्तित्व और जनहित के मुद्दों को सदन से सड़क तक उठाने की प्रतिबद्धता कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा देती है।

इस दौरान क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा सामाजिक न्याय और समानता की है और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में हम जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष मस्तराम यादव, डॉ. रिहान, जिला महासचिव चंद्रपाल सैनी, राजकुमार प्रधान, पप्पू यादव, अजय पाल यादव, नरेश खड़कवंशी, अरविंद कसाना, जाकिर प्रधान, आकिल प्रधान, केसर परवेज, मोहम्मद अल्ताफ, नरेंद्र सिंह राणा सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नारी निकेतन के औचक निरीक्षण में सामने आई महिला की पीड़ा

अमरोहा (सब का सपना):- अभिषेक कुमार व्यास सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नारी निकेतन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक महिला को रोती हुई मिली, जिससे सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा संवेदनशीलतापूर्वक बातचीत की। महिला ने अपना नाम नीतू बताया। पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि नीतू काफी समय से अपने घर से लापता थी और वर्तमान में नारी निकेतन, मुरादाबाद में रह रही थी। महिला की स्थिति और उसकी भावनात्मक पीड़ा को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने मामले को गंभीरता से लिया और उसके परिवार का पता लगाकर उसे परिजनों से मिलाने के निर्देश

दिए। मामले को गंभीरता से लेते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा पी०एल०वी० आलेनवी को उक्त महिला के परिजनों की तलाश कर उसे उसके परिवार से मिलाने के निर्देश दिए गए। इसके उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा व पी०एल०वी० आलेनवी के संयुक्त प्रयासों से नीतू को उसके परिजनों से मिलाया गया तथा उसे सकुशल उसके परिवार को सौंप दिया गया। लंबे समय से अपने परिवार से दूर रही नीतू के परिजनों से पुनर्मिलन के अवसर पर भावुक वातावरण देखने को मिला। परिवार ने इस मानवीय पहल के लिए अभिषेक कुमार व्यास सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व पी०एल०वी० आलेनबी का आभार व्यक्त किया। इस पूरे प्रकरण ने यह संदेश दिया कि विधिक सेवा प्राधिकरण न केवल विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि जरूरतमंद एवं बेसहारा व्यक्तियों को उनके परिवार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

अमरोहा कोर्ट ने जहरीली शराब बनाने वाले दो अपराधियों को सुनाई 10-10 साल की सजा,5-5 हजार का लगाया जुमार्ना

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जहरीली शराब बनाकर बेचने वाले दो अपराधियों को अमरोहा कोर्ट ने 10-10 साल की सजा और 5-5 हजार का जुमार्ना लगाया है। दोनों अपराधी जहरीली शराब बनाकर खादर इलाके के गांवों में सप्लाई कर बेचने का काम करते थे। दोनों अपराधी कोर्ट का फैसला सुनाए जाने के बाद जमानत पर बाहर चल रहे थे जिनको हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है। बता दें कि मामला 26 जुलाई 2016 का है। उस समय मंडी धनौरा थाने के एसएसआई सोम प्रकाश और एसआई संजय कुमार पुलिस टीम के साथ अवैध शराब की रोकथाम के लिए गश्त कर रहे थे। गांव आजमपुर के पास उनकी मुलाकात आबकारी विभाग की टीम से हुई।इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सिपिया घाट

के पास जंगी फार्म के स्कूल के पश्चिम बांध के नीचे पेड़ों की आड़ में 2 लोग बड़ी मात्रा में कच्ची शराब तैयार कर रहे हैं। सूचना के मुताबिक, शराब को तैयार करने के बाद खादर क्षेत्र के गांवों में सप्लाई करने की तैयारी थी।पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उनकी पहचान मेरठ के किला परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के मिजार्पुर निवासी विंदर सिंह और मंडी धनौरा के मुकारमपुर निवासी नेमपाल के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से करीब 500 लीटर कच्ची शराब, 7 किलो यूरिया और शराब ले जाने में इस्तेमाल की जा रही बाइक बरामद हुई।पुलिस के मुताबिक, आरोपी कच्ची शराब में यूरिया मिलाकर उसे अधिक नशीला बनाते थे। इसके बाद मांग के अनुसार खादर क्षेत्र के गांवों में इसकी सप्लाई की जाती थी। पुलिस ने बरामद शराब को जहरीली बताया था। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था। बाद में दोनों जमानत पर बाहर चल रहे थे।मामले की सुनवाई अपर जिला जज स्पेशल तृतीय की अदालत में हुई।

अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चौधरी ने पैरवी की। बुधवार को कोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विंदर सिंह और नेमपाल को दोषी माना। दोनों को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही 5-5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया। फैसला आने के बाद जमानत पर बाहर चल रहे दोनों दोषियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया।

भारत कौशल प्रतियोगिता 2026-27 हेतु पंजीकरण कराने की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, अमरोहा राहुल कृष्ण शर्मा ने बताया कि मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार (MSDE) द्वारा भारत कौशल प्रतियोगिता 2026-27, विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता 2027 एवं विश्व कौशल प्रतियोगिता 2028 के आयोजन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। उन्होंने

बताया कि प्रतियोगिता के लिए निर्धारित 63 विभिन्न कौशलों में पात्र अभ्यर्थियों के पंजीकरण की व्यवस्था भारत सरकार के स्किल इंडिया डिजिटल हब (SIDH) पोर्टल पर की गई है। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित मानकों के अनुसार पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कर प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं। जिला समन्वय राहुल कृष्ण शर्मा ने जनपद के सभी पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों, प्रशिक्षणार्थियों, लाभार्थियों तथा अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भारत कौशल प्रतियोगिता 2026-27 हेतु पंजीकरण कर इस अवसर का लाभ उठाएं तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करें।

मंडी धनौरा में न्यायिक तहसीलदार की कमान संभालेंगे शोभित कुमार चौधरी, अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में न्यायिक तहसीलदार की कमान को अब नव नियुक्त युवा अधिकारी शोभित कुमार चौधरी संभालेंगे। जिन्होंने बुधवार को तहसील परिसर पहुंचकर अपने कार्य की कमान हाथ में ली। इस दौरान तहसील के अधिवक्ताओं ने उनका फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया साथ ही उनसे क्षेत्र के लंबित मामलों के जल्द निपटारे और न्यायिक काम काजों में तेजी लाने की उम्मीद की। बता दें कि गुरुवार को तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने नए तहसीलदार न्यायिक का जोरदार स्वागत किया। बार एसोसिएशन धनौरा के अध्यक्ष संदीप गुप्ता के साथ सर्वेश शर्मा, हितेश कुमार, औसाफ खान और नूर मोहम्मद समेत कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शोभित कुमार चौधरी को फूलों का गुलदस्ता देकर शुभकामनाएं दीं।पदभार संभालने के बाद

तहसीलदार न्यायिक शोभित कुमार चौधरी ने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने कहा कि तहसील में आने वाले हर व्यक्ति को समय पर और निष्पक्ष न्याय दिलाना मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता रहेगी। पुराने और लंबित मुकदमों का जल्द और अच्छी तरह निपटारा किया जाएगा, ताकि जनता को बार-बार तहसील के चक्कर न काटने पड़ें। बार और बेंच के बीच अच्छा तालमेल बनाकर काम किया जाएगा। बार एसोसिएशन धनौरा के अध्यक्ष संदीप गुप्ता ने नए अधिकारी का स्वागत करते हुए कहा कि तहसीलदार न्यायिक शोभित कुमार चौधरी युवा और ऊजार्वान अधिकारी हैं। इनके आने से तहसील के न्यायिक कामकाज में तेजी आएगी। लंबे समय से पद खाली होने के कारण मुकदमों की सुनवाई पर असर पड़ रहा था, लेकिन अब लोगों को राहत मिलेगी। बार एसोसिएशन न्यायिक प्रक्रिया को सही ढंग से चलाने में प्रशासन को पूरा सहयोग देगा।मंडी धनौरा के उपजिलाधिकारी (SDM) शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि तहसील में तहसीलदार न्यायिक के आने से राजस्व और न्यायिक मुकदमों के निपटारे में तेजी आएगी। काम बंटने से न्यायिक फाइलों का समय पर निपटारा हो पाएगा, जिससे आम जनता को सीधा फायदा मिलेगा।"

अमरोहा में POSH अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु स्थानीय समिति की प्रथम बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सकारात्मक कार्यस्थल वातावरण सुनिश्चित करने तथा ढडरल्ह अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से स्थानीय समिति की प्रथम बैठक आज जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय, विकास भवन में पीठासीन अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति ने पाया कि अभी तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई, परन्तु इसे पूर्ण अनुपालन का प्रमाण नहीं माना। विभागवार बेसलाइन डाटा तैयार करने, 10 या अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में आंतरिक समिति की स्थिति जानने तथा चरणबद्ध वर्कप्लेस सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया। प्रतिमाह 25 सर्वेक्षण किए जाएंगे।एनसीडब्ल्यू

सलाहकार, शी-बॉक्स, जागरूकता कार्यक्रमों एवं ऑडिट रेडीनेस पर भी चर्चा हुई। मासिक प्रगति समीक्षा शुरू करने तथा संबंधित विभागों से समन्वय बढ़ाने पर सहमति बनी। समिति ने सभी संस्थानों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया और महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मोहाली में रिटायर्ड डीजीपी के आवास पर चलीं पांच गोलियां, संतरी एसएसआई की मौत; घटना पर उठे सवाल

मोहाली। सेक्टर-85 के वेव एस्टेट में पंजाब के रिटायर्ड डीजीपी अरपित शुक्ला के आवास पर वीरवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात एएसआई ओंकार सिंह को गोली लग गई। सुबह करीब छह बजे हुई घटना में एएसआई को पांच गोलियां लगने की जानकारी है। गंभीर हालत में उन्हें फेज-6 स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एएसआई को एक से अधिक गोलियां लगने के बाद घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। गोली किस हथियार से चली और फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई, पुलिस इसकी जांच में जुटी है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल को खंगाला। मौके से मिले साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि घटना के समय आवास पर कौन-कौन मौजूद था। हथियार और फायरिंग से जुड़े तथ्यों की जांच के साथ घटनास्थल की परिस्थितियों को भी देखा जा रहा है। हादसा या आत्महत्या, अभी तस्वीर साफ नहीं पुलिस ने घटना को हादसा, आत्महत्या या अन्य परिस्थिति में हुई फायरिंग के रूप में स्पष्ट नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।डीजीपी ने जताया शोक पूर्व डीजीपी अरपित शुक्ला ने एएसआई की मौत को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा पंजाब पुलिस विभाग शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

चंडीगढ़ जिला सैनिक बोर्ड का पुनर्गठन, ब्रिगेडियर संजीव चोपड़ा बने उपाध्यक्ष; 2 वर्ष रहेगा कार्यकाल

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन के गृह विभाग ने नई दिल्ली स्थित केंद्रीय सैनिक बोर्ड के निदेर्शों के अनुरूप जिला सैनिक बोर्ड का पुनर्गठन किया है। मुख्य सचिव की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार उपायुक्त निशांत कुमार यादव चंडीगढ़ सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष होंगे, जबकि सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर संजीव चोपड़ा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ब्रिगेडियर चोपड़ा सेक्टर-38ए के निवासी हैं। बोर्ड में एसडीएम (सेंट्रल), निदेशक भर्ती, अंबाला भर्ती जोन और कर्नल वेटरन्स, मुख्यालय पीएच एंड एचपी सब एरिया, चंडीमंदिर पदेन सदस्य होंगे। सेवानिवृत्त कर्नल गुरविंदर हजूरिया और समाजसेवी केके शारदा को गैर-सरकारी सदस्य बनाया गया है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी बोर्ड के पदेन सचिव होंगे।बोर्ड का कार्यकाल 29 अगस्त 2026 से दो वर्ष रहेगा। बोर्ड पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कोष के प्रबंधन तथा सेना के प्रति जागरूकता बढ़ाने से जुड़े कार्य करेगा।

पीयू में कल आएंगे उपराष्ट्रपति, सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर एसी जोशी लाइब्रेरी रहेगी बंद; फैसले पर छात्रों ने मांगा स्पष्टीकरण

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) में उपराष्ट्रपति एवं चांसलर सीपी राधाकृष्णन के चार सितंबर को प्रस्तावित दौरे को लेकर एसी जोशी लाइब्रेरी और आउटर रीडिंग हॉल को सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक बंद रखने के फैसले लिया गया है। इस फैसले पर अंबेडकर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एएसए) समेत अन्य विद्यार्थियों ने आपत्ति जताई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले को विद्यार्थियों के अकादमिक हितों के खिलाफ बताया। विद्यार्थियों ने कहा कि लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक अकादमिक स्थान है, जिसे वीआईपी कार्यक्रम के कारण बंद नहीं किया जाना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित की जा रही है। विश्वविद्यालय में पढ़ने आने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षा के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।विद्यार्थियों ने कहा कि चांसलर स्वयं विश्वविद्यालय समुदाय का हिस्सा हैं। उनके दौरे के दौरान विद्यार्थियों से संवाद और अकादमिक स्थलों का निरीक्षण होना चाहिए, न कि विद्यार्थियों को उनकी ही लाइब्रेरी से दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि वीआईपी कार्यक्रम के कारण लाइब्रेरी बंद की जा सकती है तो भविष्य में क्या पूरे विश्वविद्यालय को भी बंद किया जाएगा।विद्यार्थियों ने यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन, डीएसडब्ल्यू, कुलपति और चांसलर से फैसले पर स्पष्टीकरण देने की मांग की है। संगठन ने कहा कि वीआईपी प्रोटोकॉल के कारण विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए और भविष्य में ऐसे फैसलों से बचना चाहिए।

गोल्डन टेंपल पहुंचे भाजपा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया, बोले-राजनीति से पहले देश; शांति-भाईचारा प्राथमिकता

अमृतसर। भाजपा पंजाब प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव सतीश पूनिया ने बुधवार को पार्टी कार्यकताओं के साथ सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेका। उन्होंने सरबत के भले की अरदास की। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में पूनिया ने कहा कि राजनीति से पहले देश आता है। पंजाब में शांति, भाईचारा और समृद्धि बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। सतीश पूनिया ने कहा कि श्री दरबार साहिब शांति, समानता और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वह राजस्थान से गुरुओं और शहीदों की धरती पर आए हैं। इस दौरान उन्होंने पंजाब की खुशहाली और सभी लोगों के कल्याण की कामना की।बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर पूनिया ने कहा कि उन्हें पंजाब में भाजपा के संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी का लक्ष्य कार्यकताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय करना और संगठन को और मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावी रणनीति को लेकर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पार्टी के अन्य नेता विस्तार से जानकारी देंगे।उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ पार्टी पंजाब के लोगों के बीच अपनी नीतियों और विचारों को लेकर जाएगी। भाजपा का प्रयास रहेगा कि जमीनी स्तर पर कार्यकताओं की भूमिका को और प्रभावी बनाया जाए।नशे और कानून व्यवस्था पर निशाना सतीश पूनिया ने पंजाब की मौजूदा सरकार पर नशे, अपराध, आर्थिक परेशानियों और कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मुद्दों पर सरकार लोगों की अपेक्षाओं के अनुसार काम नहीं कर पा रही है। उन्होंने पंजाब में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ाने, निवेश लाने और बेहतर शासन व्यवस्था उपलब्ध कराने पर काम किया जाएगा। पूनिया ने कहा कि पंजाब की तरक्की के लिए मजबूत संगठन और बेहतर प्रशासन जरूरी है।

भूकम्प आपदा की तैयारियों को लेकर ऑनलाइन ओरिएंटेशन एवं समन्वय सम्मेलन आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के निर्देशन में निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद (BMTPC), भारत सरकार द्वारा निर्गत 'Vulnerability Atlas of India' तृतीय संस्करण-2019 के अनुसार तथा राज्य आपदा प्रबन्धन योजना-2022 के प्रस्तर संख्या-5.3.3 में भूकम्प आपदा के अन्तर्गत निर्धारित प्रावधानों के क्रम में भूकम्प आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आज दिनांक 03 सितम्बर, 2026 को Orientation & Coordinnting Conference का ऑनलाइन आयोजन किया गया। उक्त ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जनपद अमरोहा से जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/कार्यालय जिलाधिकारी के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। ऑनलाइन

ओरिएंटेशन एवं समन्वय सम्मेलन के दौरान भूकम्प आपदा के दृष्टिगत विभिन्न विभागों की तैयारियों, आपसी समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था, संसाधनों की उपलब्धता तथा निर्धारित दायित्वों एवं उत्तरदायित्वों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आगामी कार्यक्रमों के अन्तर्गत दिनांक 10 एवं 11 सितम्बर, 2026 को लखनऊ में Symposium/Table Top Exercise का आयोजन तथा दिनांक 18 सितम्बर, 2026 को Mock Exercise आयोजित किए जाने के संबंध में भी अवगत कराया गया। उक्त Mock Exercise के दौरान District Emergency Operations Centre (District EOC) सहित सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों द्वारा निर्धारित Charter of Duties/Respo»»fsibilities के अनुसार भौतिक रूप से प्रतिभाग करते हुए भूकम्प आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया का अभ्यास किया जाएगा।

इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करना, उपलब्ध संसाधनों एवं प्रतिक्रिया तंत्र का परीक्षण करना तथा आपदा के समय जन-धन की क्षति को न्यूनतम करने हेतु तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाना है। जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा जनपद में भूकम्प सहित विभिन्न आपदाओं से निपटने हेतु संबंधित विभागों के साथ निरन्तर समन्वय एवं क्षमता संवर्धन की कार्यवाही की जा रही है, ताकि आपदा की स्थिति में सभी संबंधित विभाग निर्धारित दायित्वों के अनुरूप त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कर सकें।

जालंधर में भोतू गैंग का कहर, टायर में सूआ मारकर पंचर किया; व्यापारी की कार से दस लाख का बैग ले उड़े

जालंधर। जालंधर शहर में एक बार फिर भोतू गैंग के सक्रिय होने का मामला सामने आया है। फगवाड़ा गेट स्थित भाटिया इलेक्ट्रिक स्टोर के मालिक की कार का टायर सूआ मारकर पंचर करने के बाद आरोपित कार से करीब दस लाख रुपये की नकदी से भरा बैग चोरी कर फरार हो गया। पूरी वारदात बीएमसी चौक के पास स्थित केसर पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। भाटिया इलेक्ट्रिक स्टोर के मालिक शरणपाल सिंह बुधवार रात रोजाना की तरह दुकान बंद करने के बाद कार से घर जा रहे थे। कंपनी बाग लाइटों के पास पहुंचते ही उनकी कार का टायर पंचर

हो गया। इसके बाद वह कार को बीएमसी चौक के पास स्थित केसर पेट्रोल पंप पर ले गए। वहां उन्होंने कर्मचारी से टायर में पंचर लगाने को कहा। पेट्रोल पंप के सीसीटीवी ने खोला राज पंचर लगाते समय कर्मचारी ने टायर की जांच की तो उस पर सूआ मारने के चार-पांच निशान मिले। कर्मचारी ने शरणपाल सिंह को बताया कि टायर को जानबूझकर पंचर किया गया है। इसके बाद टायर में पंचर लगा दिया गया। पंचर लगने के बाद जैसे ही शरणपाल सिंह कार में बैठने लगे, उन्होंने देखा कि कार में रखा नकदी से भरा बैग गायब था। उन्होंने बताया कि बैग में करीब दस लाख रुपये थे। इसके बाद पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।पुलिस ने जांच की शुरू

फुटेज में एक युवक कार का दरवाजा खोलकर अंदर से बैग निकालता हुआ दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले ली और आरोपित की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए।

एडीसीपी वन मुख्खियार राय ने बताया कि घटना थाना डिवीजन नंबर चार के अधीन आती है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। इसके साथ ही तकनीकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपित की पहचान कर उसे जल्द काबू करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

एशियाई खेल 2026: नीरज चोपड़ा की जगह यशवीर सिंह को मिली एंट्री, चोट के कारण हुए बाहर

लुधियाना। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एशियाई खेल-2026 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान चोटिल होने के कारण उनका नाम भारतीय दल से हटा दिया गया है। उनकी जगह यशवीर सिंह को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसकी जानकारी भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष बहादुर सिंह सग्गू ने दी। बहादुर सिंह ने बताया कि नीरज चोपड़ा प्रशिक्षण के दौरान चोटिल हुए हैं। उनकी जगह शामिल किए गए यशवीर सिंह राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुके हैं। ऐसे में भारतीय टीम को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।स्टीपल चेज में भी हुआ बदलाव स्टीपल चेज के एथलीट अभिषेक के चोटिल होने के कारण उनकी जगह अविनाश साबले को

दल में शामिल किया गया है। साबले एशियाई खेलों में पदक जीत चुके हैं। बहादुर सिंह ने बताया कि यदि साबले पांच हजार मीटर दौड़ का निर्धारित क्वालीफाइंग स्तर हासिल कर लेते हैं तो वह स्टीपल चेज के साथ पांच हजार मीटर दौड़ में भी हिस्सा ले सकेंगे। उनका नाम एशियाई महासंघ को भेजा गया है। वहां से अनुमति मिलने के बाद वह दल के साथ रवाना होंगे।35 पुरुष और 43 महिला एथलीट एशियाई खेलों के लिए 78 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स दल घोषित किया गया है। इसमें 35 पुरुष और 43 महिला एथलीट शामिल हैं। एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के नागोया में आयोजित होंगे। पिछली बार भारत ने 29 पदक जीते थे।बहादुर सिंह ने कहा कि भारतीय एथलीटों का हालिया प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बार 25 से 30 पदक जीतने की उम्मीद है। टीम रवाना होने से पहले प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेगी।पंजाब के छह एथलीट दल में भारतीय दल में पंजाब के छह एथलीटों को जगह मिली है। इनमें गुरविंदरवीर सिंह, करणवीर सिंह, तेजिंदर पाल सिंह तूर, निहारिका चौधरी, मंजू रानी और रशदीप कौर शामिल हैं। बहादुर सिंह के अनुसार टीम का चयन राष्ट्रीय ट्रायल, हाल के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और महासंघ के निर्धारित क्वालीफिकेशन मानकों में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय एथलीट पिछले एशियाई खेलों से अधिक पदक जीतने में सफल होंगे। उन्होंने पंजाब में एथलेटिक्स की संभावनाओं की भी सराहना की। उनके अनुसार महासंघ राज्य सरकार के साथ मिलकर युवा एथलीटों को बेहतर सुविधाएं और प्रतियोगिताओं का अनुभव उपलब्ध कराने पर काम कर रहा है।

लुधियाना के फिल्लौर में बेकाबू ट्रक डिवाइडर फांदकर टाटा ऐस से टकराया, 13 यात्री घायल; एसएसएफ ने संभाला मोर्चा

फिल्लौर (लुधियाना)। लुधियाना के फिल्लौर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुथड्डा कलां गेट के पास बुधवार को एक तेज रफ्तार ट्रक का संतुलन बिगड़ने से बड़ा हादसा हो गया। ट्रक डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ से आ रहे टाटा ऐस से जा टकराया। टाटा ऐस में सवार 13 यात्री घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। जानकारी के अनुसार गोराया से फिल्लौर की ओर जा रहे एक ट्रक का मुथड्डा कलां गेट के पास अचानक संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद ट्रक डिवाइडर को पार करते हुए फिल्लौर से गोराया की तरफ जा रहे टाटा ऐस से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टाटा ऐस में सवार सभी 13 यात्रियों को चोटें आईं।हादसे की सूचना सड़क सुरक्षा बल के प्रभारी सरबजीत सिंह और संबंधित पुलिस टीम को मिली। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने सबसे पहले टाटा ऐस में फंसे और घायल यात्रियों को बाहर निकालकर मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया।108 और राष्ट्रीय राजमार्ग की एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया

प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस को बुलाया गया। 108 एंबुलेंस और राष्ट्रीय राजमार्ग की एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सिविल अस्पताल फगवाड़ा ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने घायलों का उपचार शुरू किया। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। सड़क सुरक्षा बल की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया। इससे यातायात को सुचारू किया गया और मौके पर दूसरा हादसा होने का खतरा भी टल गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है।

जालंधर में भोतू गैंग का कहर, टायर में सूआ मारकर पंचर किया; व्यापारी की कार से दस लाख का बैग ले उड़े

जालंधर। जालंधर जिले में स्वाइन फ्लू (H1N1) के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। 6 नए मामले सामने आने के बाद जिले में इस साल कुल मरीजों की संख्या 7 हो गई है। सभी नए मरीज बुजुर्ग हैं, जिससे सेहत विभाग ने हाई-रिस्क ग्रुप को लेकर विशेष अलर्ट जारी किया है।

सेहत विभाग ने लोगों को कहां के घबराने की जरूरत नहीं है सतर्क रहे। सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। विभाग के पास इलाज और दवाओं की पूरी व्यवस्था है। कौन हैं 7 मरीज, कहां के रहने वाले? सेहत विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सभी मरीजों की उम्र 50 साल से अधिक है। इनमें 86 साल का पुरुष, 84 साल की महिला, 78 साल का पुरुष, 67 साल का पुरुष, 56 साल की महिला और 53 साल का पुरुष शामिल है। इनमें से दो मरीज फिल्लौर क्षेत्र के हैं, जबकि बाकी चार जालंधर शहर के अलग-अलग इलाकों से हैं। एक बुजुर्ग मरीज को सिविल अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में दाखिल किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।बाकी मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉ. राजेश गर्ग ने बताया कि जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शोभना बांसल की अगुवाई में विभाग की टीमों ने तुरंत सर्वे शुरू कर दिया है। मरीजों के संपर्क में आए सभी लोगों को ट्रेस

कर लिया गया है और उन्हें एहतियात के तौर पर दवा शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा, यह एक नोटिफायबल बीमारी है। अगर किसी भी निजी अस्पताल या क्लीनिक में स्वाइन फ्लू के लक्षण वाला मरीज आता है, तो डॉक्टरों की जिम्मेदारी है कि वे तुरंत इसकी सूचना आईडीएसपी विभाग को दें, ताकि समय पर कार्रवाई हो सके।स्वाइन फ्लू की पुष्टि सिर्फ सरकारी लैब से

जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शोभना बांसल ने टेस्ट की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वाइन फ्लू के मरीजों को तीन श्रेणियों - ए, बी और सी में बांटा जाता है। श्रेणी 'ए' और 'बी' में हल्के लक्षण जैसे बुखार, खांसी, गले में खराश वाले मरीज आते हैं, जिन्हें सिर्फ होम आइसोलेशन, पर्याप्त आराम और लक्षण के हिसाब से दवा की जरूरत होती है। उनका टेस्ट जरूरी नहीं है। टेस्ट सिर्फ श्रेणी 'सी' के मरीजों का किया जाता है, जिनमें तेज बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, लो ब्लड प्रेशर जैसे गंभीर लक्षण होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जालंधर जिले में किसी भी प्राइवेट लैब को स्वाइन फ्लू टेस्ट की मान्यता नहीं दी गई है। सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को सैंपल आईडएसपी विभाग को भेजना होता है, जहां से उसे जांच के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर भेजा जाता है। राज्य में इस टेस्ट के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अमृतसर, पटियाला, फरीदकोट, पीजीआई चंडीगढ़ और डीएमसी लुधियाना ही अधिकृत हैं। एक्सपर्ट अलर्ट: सांस फूलने का इंतजार न करें

मामलों के बढ़ने के बीच डॉक्टरों ने लोगों को शुरूआती लक्षणों को हल्के में न लेने की चेतावनी दी है। फोर्टिस अस्पताल, जालंधर की इंटरनल मेडिसिन कंसल्टेंट डॉ. प्रीति सलहान कहती हैं, हर साल इस मौसम में अस्पतालों में एक ही पैटर्न देखने को मिलता है। मरीज तेज बुखार, बदन दर्द, गले में खराश और न ठीक होने वाली खांसी के साथ आते हैं। लोग इसे आम वायरल समझकर खुद से दवा ले लेते हैं और 3-4 दिन इंतजार करते हैं। फिर जब सांस फूलने लगती है, तब वे इमरजेंसी में आते हैं।

जालंधर की गद्दा फैक्ट्री में भीषण आग, दो किमी दूर से दिखा धुआं; घंटों बाद पाया गया काबू

जालंधर। थाना बस्ती बावा खेल के बस्ती पीर दाद रोड पर स्थित गद्दे बनाने की एक फैक्ट्री में वीरवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे परिसर में धुआं फैल गया। गनीमत रही कि समय रहते फैक्ट्री के अंदर मौजूद करीब 12 लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के मुताबिक वीरवार सुबह करीब नौ बजे फैक्ट्री के अंदर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया।कर्मचारियों का किया गया रेस्क्यू आसपास के लोगों ने जब फैक्ट्री से निकलता धुआं देखा तो तुरंत वहां मौजूद कर्मचारियों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई। गद्दे और उनमें इस्तेमाल होने वाला सामान ज्वलनशील होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें और घना धुआं देखकर आसपास के लोगों में भी दहशत फैल गई। धुआं इतना अधिक था कि करीब दो किलोमीटर दूर तक इसे आसानी से देखा जा रहा था। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शॉर्ट सर्किट बना आग की वजह आग की भयावहता को देखते हुए करीब 10 दमकल गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। दमकल कर्मियों ने कई दिशाओं से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, आग से फैक्ट्री में कितना नुकसान हुआ है, इसका अभी आकलन नहीं हो सका है। थाना बस्ती बावा खेल की पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

लुधियाना में कुत्ता घुमाने को लेकर हुआ विवाद, युवती के पिता-पुत्र पर की फायरिंग; दो घायल अस्पताल में भर्ती

लुधियाना। लुधियाना में कुत्ते को लेकर शुरू हुआ विवाद बुधवार रात खूनी संघर्ष में बदल गया। सिविल सिटी इलाके में एक युवती के साथ कथित बदसलूकी के बाद उसके पिता और भाई मौके पर पहुंचे। इसी दौरान आरोपित पक्ष के एक युवक ने बंदूक से फायरिंग कर दी। गोली लगने से पिता-पुत्र दोनों घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार युवती सिविल सिटी इलाके में सामान लेने गई थी। वहां एक युवक कुत्ता घुमा रहा था। युवती ने उससे केवल इतना पूछा कि कुत्ता काटता तो नहीं है। आरोप है कि इसी बात पर युवक भड़क गया और युवती के साथ कथित तौर पर बदसलूकी करने लगा। युवती ने घबराकर अपने पिता और भाई को फोन कर मौके पर बुला लिया।युवक घर से उठाया लाया बंदूक पिता और भाई के पहुंचने के बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। इसी दौरान आरोपित पक्ष का एक युवक दौड़कर अपने घर गया और बंदूक लेकर वापस आया। आरोप है कि उसने आते ही फायरिंग शुरू कर दी।पीड़ित पक्ष के अनुसार मौके पर कुल छह राउंड फायर किए गए। इनमें दो हवाई फायर थे, जबकि चार गोलियां पिता-पुत्र को निशाना बनाकर चलाई गईं। गोली लगने से दोनों घायल हो गए। पिता के पैर में गोली लगी, जबकि बेटे के पैर में लगी गोली आर-पार हो गई। हमले के दौरान बेटे की बाजू में भी गंभीर चोट आई, जिस पर नौ टांके लगाए गए हैं। परिजनों के अनुसार पिता की हालत भी गंभीर बताई जा रही है।बहन से बदसलूकी के बाद बढ़ा विवाद

घायल वंश ने बताया कि बुधवार को उनके पिता का जन्मदिन था। उनकी बहन सिविल सिटी इलाके में सामान लेने गई थी। वहां कुत्ता घुमा रहे युवक से उसने पूछा था कि कुत्ता काटता तो नहीं है। इसी बात पर युवक ने बहन के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। इसके बाद परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और विवाद बढ़ गया। वंश का आरोप है कि इसी दौरान आरोपित युवक बंदूक लेकर आया और फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह और उसके पिता घायल हुए। पुलिस बोली-जांच के बाद स्थिति होगी स्पष्ट घटना को लेकर थाना हैबोवाल के प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि मामला पुलिस के ध्यान में है और जांच की जा रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक पुलिस के पास फायरिंग की सूचना नहीं पहुंची थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अमृतसर में स्कूल बस ऑपरेटरों की हड़ताल, कई स्कूलों में बस सेवा बंद; 25 हजार छात्र प्रभावित

अमृतसर। स्कूल बस ऑपरेटरों की हड़ताल का असर आज अमृतसर के स्कूलों में साफ दिखाई दिया। बस ऑपरेटरों की ओर से तीन सितंबर को बसें बंद रखने के ऐलान के बाद सुबह कई स्कूलों के बाहर अभिभावकों की भीड़ नजर आई। स्कूल बसें नहीं पहुंचने के कारण अभिभावकों को खुद अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए पहुंचना पड़ा। कई अभिभावक बच्चों को कार, दोपहिया और अन्य निजी वाहनों से स्कूल लेकर पहुंचे। स्कूल एंड कॉलेज बस आपरेटर एसोसिएशन पंजाब की ओर से रोड टैक्स और पार्किंग फीस सहित अन्य मांगों को लेकर हड़ताल की गई है। एसोसिएशन का दावा है कि मौजूदा टैक्स और खर्चों के कारण स्कूल बसों का संचालन करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।हड़ताल के कारण जिले के करीब 20 स्कूलों की बस सेवा प्रभावित हुई है। इससे लगभग 25 हजार विद्यार्थी प्रभावित होने की बात कही जा रही है। कई स्कूलों ने अभिभावकों को पहले ही बस सेवा बंद रहने की सूचना दे दी थी, जबकि कुछ अभिभावकों को सुबह बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए अचानक अपनी व्यवस्था करनी पड़ी।बस सेवा बंद होने के कारण सुबह स्कूलों के आसपास निजी वाहनों की संख्या बढ़ गई। अभिभावकों को बच्चों को छोड़ने और लेने के लिए खुद पहुंचना पड़ा। इससे कई स्कूलों के बाहर कुछ समय के लिए ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार को स्कूल बसों से रोड टैक्स हटाने, पार्किंग फीस कम करने तथा अन्य मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। ऑपरेटरों ने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का संकेत दिया है। डीपीएस इंटरनेशनल, होली हार्ट, स्प्रिंग डेल, सेंट फ्रांसिस, यूनिवर्सिटी स्टडीज, केवी-1, श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल, बसंत एवेन्यू, गोल्डन एवेन्यू पब्लिक स्कूल और दून इंटरनेशनल समेत करीब 20 स्कूलों की बस सेवा आज प्रभावित रही।

योगी के फैसले से बिचौलिए हुए बेरोजगार:- मनोज वाल्मीकि

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं जिला निगरानी और सर्वेक्षण कमेटी के सदस्य मनोज वाल्मीकि ने प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) पोर्टल लान्च करने पर कहां कि इसके गठन होने से बिचौलिये अब खुद बेरोजगार हो गए हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया है। जिला निगरानी और सर्वेक्षण कमेटी सदस्य मनोज वाल्मीकि का कहना है कि हाउटसोर्स सेवन निगम पोर्टल लॉन्च नहीं होने से माह निगम,नगर पालिका, नगर पंचायतो में दलालों का बहुत बड़ा जाल फैला हुआ था जो वाल्मीकि समाज के गरीब और बेरोजगार नौजवानों और महिलाओं को सफाई कार्य पर आउटसोसिंग पर रख वाने के नाम पर लाखो रुपए की घूसखोरी कर रहे थे। और यह घूसखोरी का प्रकरण नजीबाबाद, धामपुर, नगीना, बिजनौर, किरतपुर, मंडावर, सहसपुर, जलालाबाद, शेरकोट, नहटौर, चांदपुर, अफजलगढ़, समेत जनपद बिजनौर की सभी 18 नगर पालिका नगर पंचायतो में यह खेल खुलेआम चल रहा था जो अधिकांश अखबारों की सुर्खियों भी बने लेकिन भ्रष्टाचार की नाव चला रहे दलालों पर अधिकारियों का चाबुक नहीं चला वह भी शक के दायरे में आ खड़े हुए।जबकि उनको आए दिन लिखित और मौखिक शिकायतें होती रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की उदासीनता के चलते ढेरो सारी शिकायतें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजी जाने लगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिकायतों को गंभीरता पर्वक संज्ञान लेते हुए उन्होंने सफाई कर्मचारी वर्ग को दलालों और बिचौलियों से मुक्ति का रास्ता खोज निकाला और उन्होंने बुधवार को आउटसोर्स सेवा निगम पोर्टल का ऐलान कर दिया। मुख्यमंत्री योगी के इस ऐलान से जहां वाल्मीकि समाज के बेरोजगारों को दलालों और पिछोलियों से मुक्ति मिली है वही अब दलाल और बिचौलिए खुद बेरोजगार हो गये। उनका कहना है कि अब जो भी आउटसोर्स पर सफाई कर्मचारी की नियुक्ति होगी और उनका वेतन 12 हजार रुपए से बढ़ा कर 20 हजार रु यानी 7000 रुपए की बढ़ोतरी की है अब उनका वेतन सीधे गठित निगम से किसी ठेकेदार के खाते में नहीं बल्कि सीधे सफाई कर्मचारियों के खाते में जाएगा। सरकार के इस कदम से आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के चेहरे खिले खिले नजर आ रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया है।

दो साल से अधिक उम्र के बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र पर कोर्ट आदेश की बाध्यता हटाने की मांग

नगर पालिका सभासदों ने एसडीएम से मुलाकात कर विभागीय स्तर पर समाधान कराने की उठाई मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- दो वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए सिविल कोर्ट के आदेश की अनिवार्यता को समाप्त किए जाने की मांग को लेकर नगर पालिका परिषद के सभासदों ने गुरुवार को एसडीएम प्रिंस कुमार से मुलाकात की। सभासदों ने बताया कि कोर्ट के आदेश की बाध्यता के कारण अभिभावकों को जन्म प्रमाणपत्र बनवाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि जन्म प्रमाणपत्र की नियमावली के अनुसार बच्चे के जन्म के 21 दिन के भीतर सामान्य शुल्क के साथ तथा 30 दिन तक विलंब शुल्क के साथ नगर पालिका में आवेदन कर प्रमाणपत्र बनवाया जा सकता है। एक वर्ष से अधिक समय होने पर सीएमओ के आदेश तथा दो वर्ष तक एसडीएम के आदेश के आधार पर जन्म प्रमाणपत्र जारी किया जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने पर सिविल कोर्ट के आदेश की आवश्यकता होती है।सभासदों का कहना है कि दो वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र के लिए सिविल कोर्ट की प्रक्रिया काफी कठिन और समय लेने वाली है। इससे ग्रामीण एवं गरीब परिवारों को विशेष रूप से परेशानी होती है। उन्होंने एसडीएम प्रिंस कुमार से मामले में विभागीय स्तर पर कार्रवाई कर सिविल कोर्ट के आदेश की बाध्यता समाप्त कराने अथवा प्रक्रिया को सरल कराने की मांग की। एसडीएम से मिलने वालों में सभासद कपिल पवार, संजीव दत्त शर्मा, बदर मुनीम, मकसूद उस्मानी, मौहम्मद अहमद, सानू मलिक समेत एक दर्जन से अधिक सभासद शामिल रहे।

गुलदार ने बछिया पर किया हमला, गंभीर घायल

जंगल में पशुओं के साथ चारा चर रही थी डेढ़ वर्षीय बछिया, ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से गुलदार को खदेड़ा, दहशत में ग्रामीण

नगीना/बिजनौर (सब का सपन):- क्षेत्र के ग्राम किशनपुर कुंडा में बुधवार दोपहर जंगल में पशुओं के साथ चारा चर रही डेढ़ वर्षीय बछिया पर गुलदार ने हमला कर दिया। बछिया के चीखने और ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार उसे छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। हमले में बछिया गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में गुलदार को लेकर दहशत फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम किशनपुर कुंडा निवासी ब्रह्मपाल सिंह की डेढ़ वर्षीय बछिया बुधवार दोपहर अन्य पशुओं के साथ जंगल में घास चर रही थी। इसी दौरान अचानक गुलदार ने बछिया पर हमला कर दिया। बछिया की आवाज सुनकर जंगल में मौजूद ब्रह्मपाल सिंह, शिवचरण सिंह समेत अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए लाठी-डंडों की मदद से गुलदार को खदेड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों के बढ़ते शोर से गुलदार बछिया को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। गुलदार के हमले में बछिया के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पशु चिकित्सा विभाग को दी। पशु चिकित्साधिकारी डा. रजनीश कुमार ने बताया कि शाम 5:22 बजे लोकेश कुमार का फोन आया था कि गुलदार के हमले में बछिया घायल हो गई है। इसके बाद शाम करीब 7 बजे पशु चिकित्सा टीम ब्रह्मपाल सिंह के निवास पर पहुंची और घायल बछिया का उपचार शुरू किया। उपचार जारी है। पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि पशु अस्पताल शाम पांच बजे बंद हो जाता है और वर्तमान में अस्पताल में अलग से इमरजेंसी सेवा उपलब्ध नहीं है।

आपात स्थिति में पशुपालक 1962 पर फोन कर पशु चिकित्सा की आपात सेवा प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा विभाग की ओर से गांव-गांव पैरावेट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इधर, गुलदार के हमले की घटना से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से जंगल में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी घटना को होने से रोका जा सके।

गौवंशीय अवशेष मिलने के मामले में पुलिस मुठभेड़, दो आरोपी गिरफ्तार

जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में लगी गोली, तीसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपनक):- जनपद के थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम शाहपुर खेड़ी के पास गांगन नदी किनारे मिले गौवंशीय पशु के अवशेष के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, गोकशी में प्रयुक्त उपकरण और एक मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को ग्राम शाहपुर खेड़ी के पास गांगन नदी किनारे गौवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। मामले में थाना स्योहारा पुलिस ने गौवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे और आरोपियों की तलाश शुरू की थी। 3 सितंबर को पुलिस टीम ग्राम जुझैला के जंगल में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो आरोप है कि बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान फिरोज पुत्र साकिब निवासी शाहपुर खेड़ी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि विपिन पुत्र ऋषिपाल सिंह निवासी कमाला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घायल फिरोज को उपचार के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 315 बोर के दो अवैध तमंचे, खोखा व जिंदा कारतूस, गोकशी के उपकरण तथा प्लैटिना मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने गोकशी की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की है। आरोपियों ने फरार साथी की पहचान राजू पुत्र खलील के रूप में बताई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जन्माष्टमी पर नगीना में कड़े सुरक्षा इंतजाम

चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात, सीसीटीवी-ड्रोन से होगी निगरानी; रामडोल जुलूस को लेकर भी पुलिस अलर्ट

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व शुक्रवार को क्षेत्रभर में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद कर ली है। प्रमुख मंदिरों, झांकियों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ ही भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह ने क्षेत्रवासियों से जन्माष्टमी का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगीना की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। सीओ ने बताया कि जन्माष्टमी के अगले दिन निकलने वाले रामडोल जुलूस को भी शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। त्योहार के दौरान महिलाओं एवं युवतियों से अभद्रता करने अथवा भीड़ का फायदा उठाकर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। मंदिर परिसरों और झांकियों के आसपास सादे कपड़ों में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा एंटी रोमियो स्क्वाड लगातार सक्रिय रहकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगा। नगर में पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों द्वारा लगातार गश्त की जाएगी। रात के समय भी प्रमुख मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बनी रहेगी, ताकि किसी भी अराजक तत्व को माहौल खराब करने का मौका न मिल सके। सीओ राजेश सिंह ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया अथवा किसी अन्य माध्यम से अफवाह फैलाने, भ्रामक सूचना प्रसारित करने या शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे त्योहार को शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाएं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

67 वर्ष पुरानी समाधि तोड़ने और जमीन पर कब्जे का आरोप, प्रशासन की मौजूदगी में कराया पुनर्निर्माण

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम जलालवदीपुर में 67 वर्ष पुरानी समाधि को क्षतिग्रस्त किए जाने और प्रजापति समाज की भूमि पर कब्जा करने के आरोप को लेकर गुरुवार को विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रजापति समाज के लोग मौके पर पहुंचे और प्रशासन व पुलिस की मौजूदगी में समाधि का पुनर्निर्माण शुरू कराया गया। प्रजापति समाज के अनुसार ग्राम जलालवदीपुर निवासी प्रेमसिंह प्रजापति के दादा स्व. सूखे सिंह प्रजापति की करीब 67 वर्ष पुरानी समाधि गांव में स्थित थी। आरोप है कि ग्राम पावती निवासी रशीद और उसके परिवार तथा कुछ अन्य लोगों ने समाधि को क्षतिग्रस्त कर दिया और प्रजापति समाज की जोत की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया। घटना के समय समाज के लोग अपने कार्य से बाहर गए हुए थे। घटना की जानकारी मिलने पर जलालवदीपुर के ग्रामीण भाजपा नेता धर्मेंद्र कुमार प्रजापति, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य, के आवास पर पहुंचे और उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही धर्मेंद्र कुमार प्रजापति, अध्यक्ष महाराजा दक्ष प्रजापति सेवा समिति चांदपुर, समिति के कार्यकताओं, समाजसेवियों तथा अन्य संगठनों के कार्यकताओं के साथ मौके पर पहुंचे। मौके का निरीक्षण करने के बाद समाधि क्षतिग्रस्त मिली। इसके बाद प्रशासन एवं पुलिस की मौजूदगी में समाधि के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू कराया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आपसी समझाइश के बाद विवाद को शांत कराया। इस दौरान मा. जलसिंह प्रजापति, धीरज कुमार प्रजापति, जगदीश प्रसाद प्रजापति, डॉ. ऋषिपाल सिंह प्रजापति, फीना मंडल भाजपा कोषाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह प्रजापति, डॉ. सुशील कुमार प्रजापति, पंकज दक्ष सहित महाराजा दक्ष प्रजापति सेवा समिति के सैकड़ों सदस्य एवं समाजसेवी मौजूद रहे। समाज के लोगों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा समाधि स्थल एवं भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

आयुष्मान कार्ड के बावजूद 30 हजार रुपये लेने का आरोप, हाथ का ऑपरेशन बिगड़ने पर अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय मजदूर किसान यूनियन (देशशक्ति) ने सड़क दुर्घटना में घायल युवक के हाथ के उपचार में लापरवाही और अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मामले की जांच कराकर संबंधित अस्पताल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संगठन की ओर से सीएमओ को दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रानीपुर निवासी आकाश कुमार पुत्र महेंद्र सिंह सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। दुर्घटना में उनके दाहिने हाथ की हड्डी टूट गई थी। करीब दो माह पूर्व उन्होंने श्री साईं हॉस्पिटल, मंडावर रोड, बिजनौर में हाथ का ऑपरेशन कराया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ऑपरेशन के बाद हाथ में परेशानी होने पर जब आकाश ने दोबारा एक्स-रे कराया तो पता चला कि हाथ की हड्डी जुड़ने के बजाय और अधिक खराब हो गई है। आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर सतीश से शिकायत करने पर उन्होंने कथित रूप से मरीज को डांटकर वहां से चले जाने को कहा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आयुष्मान कार्ड से उपचार होने के बावजूद अस्पताल द्वारा 30 हजार रुपये नकद तथा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 21,100 रुपये लिए गए। इसके बावजूद मरीज को उचित आराम नहीं मिला और हाथ की स्थिति खराब हो गई। भारतीय मजदूर किसान यूनियन (देशशक्ति) ने सीएमओ से पूरे मामले की जांच कराकर अस्पताल के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो वह धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगा।

2027 में अखिलेश यादव की सरकार बनाने के लिए एकजुट हों समाजवादी विचारधारा के लोग:- अकबर नबी इदरीसी

पैगंबरपुर में समाजवादी नेताओं, जनप्रतिनिधियों व प्रमुख लोगों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर हुआ मंथन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में 2 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी ने कांठ विधानसभा क्षेत्र के गांव पैगंबरपुर पहुंचकर समाजवादी पार्टी, समाजवादी आंदोलन पार्टी, कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के प्रमुख लोगों से मुलाकात की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और जनता के बीच जनसंपर्क बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सगीर अहमद, जिला उपाध्यक्ष मुरादाबाद समाजवादी पार्टी, समाजवादी आंदोलन पार्टी के नेता आबिद इदरीसी एवं फरजान अली, ग्राम मुख्तियारपुर नवादा के प्रधान फुरकान मलिक, समाजवादी पार्टी के नेता मेहंदी हसन, कांग्रेस के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग विभाग इश्तियाक अली, समाजवादी आंदोलन पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य इकराम अली, नूरपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हसमुद्दीन इदरीसी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, जनता के बीच पहुंच बढ़ाने, मतदाताओं को जागरूक करने तथा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान तेज करने सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बदलाव के लिए समाजवादी विचारधारा से जुड़े सभी लोगों को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य के लिए सभी नेताओं और कार्यकताओं को मिलकर जनता के बीच जाना होगा और लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को किसी के बहकावे में आने के बजाय अपने विवेक से मतदान करना चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए साइकिल चुनाव निशान के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश के प्रदेश महासचिव, सूचना का अधिकार विभाग से जुड़े इश्तियाक अली ने कहा कि लोकतंत्र में जागरूक मतदाता ही मजबूत सरकार और बेहतर भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता के मुद्दों, विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को प्राथमिकता देते हुए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इश्तियाक अली ने कहा कि वर्ष 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का विषय नहीं है, बल्कि जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने सभी नेताओं एवं कार्यकताओं से आपसी मतभेद भुलाकर जनता के बीच एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के बीच पहुंचकर उसकी समस्याओं को सुनना, युवाओं के लिए रोजगार, किसानों को राहत, गरीबों को सम्मान और प्रत्येक नागरिक को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करना ही राजनीति का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए। बैठक के अंत में मौजूद नेताओं एवं कार्यकताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान तेज करने तथा जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

समीपुर में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- समीपुर गांव में पिछले कई दिनों से दहशत का पर्याय बना गुलदार आखिरकार गुरुवार सुबह वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने बड़ी राहत महसूस की है। हाल के दिनों में गुलदार ने गांव में एक बकरी और बंदर को अपना शिकार बनाया था, जिसके बाद ग्रामीणों की मांग पर क्षेत्रीय वन अधिकारी रामकुमार के निर्देशन में गांव में पिंजरा लगाया गया था। 3 सितंबर की सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों ने गुलदार को पिंजरे में देखा और इसकी सूचना ग्राम प्रधान सत्यवीर को दी। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंचे डिप्टी रेंजर हरगोविंद, वन दरोगा प्रकाश सिंह, मोहम्मद यामीन और मोहम्मद अकरम की टीम ने गुलदार को कब्जे में लेकर जालपुर नर्सरी भेज दिया। इस दौरान पूर्व प्रधान प्रमोद सिंह, हरजीत सिंह, व तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

फतेहपुर में खूनी वारदात, ससुराल में तलवार से हमला, फिर जीजा की पीट-पीटकर हत्या

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के ओंग थाना क्षेत्र के भीकमपुर गांव में देर रात पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। ससुराल आए एक व्यक्ति ने तलवार से साले, सरहज और तीन भतीजों पर हमला कर दिया। इसके बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी व्यक्ति अपनी ससुराल भीकमपुर आया था। किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि उसने धारदार तलवार से हमला कर दिया। हमले में उसका साला, सरहज और तीन मासूम भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए।चीख-पुकार सुनकर

आसपास के परिजन और ग्रामीण इकट्ठा हो गए। गुस्साए लोगों ने हमलावर जीजा को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। पिटाई से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पांच घायल कानपुर रेफर, एक साला लापता घायलों को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने सभी 5 घायलों - साला, सरहज और तीनों भतीजों को कानपुर हैलट रेफर कर दिया है। वहीं इस वारदात के बाद मृतक जीजा का एक साला गांव से लापता बताया जा रहा है। परिजन उसकी तलाश कर रहे हैं। घटना की सूचना पर ओंग थाना पुलिस और सीओ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। मामले में दोनों पक्षों से तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

यातायात पुलिस का सख्त एक्शन, पुरानी तहसील के बाहर खड़े वाहनों के काटे चालान

फतेहपुर (सब का सपना):- शहर में जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने आज सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की। पुरानी तहसील के बाहर सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े चार पहिया और दो पहिया वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर चालान किए गए। बताया जा रहा है कि पुरानी तहसील के बाहर रोजाना बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े होने से सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती थी। राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों की

शिकायत पर यातायात पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।इस दौरान नो-पार्किंग जोन में खड़े कई कार और बाइकों को हटवाया गया और दर्जनों वाहनों का ई-चालान किया गया। पुलिस ने लाउडस्पीकर से लोगों को हिदायत भी दी कि सड़क को पार्किंग न बनाएं।

यातायात प्रभारी ने बताया कि शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और थोड़ी ही देर में सड़क पर यातायात सुचारू हो गया।

जमीन विवाद में गन्ने की फसल जोतने का आरोप, लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग से मचा हड़कंप

मारपीट और जान से मारने की धमकी का भी आरोप, पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई सुरक्षा व आरोपियों की गिरफ्तारी की गुहार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के ग्राम फरीदपुर भौंरू में जमीन और गन्ने की फसल को लेकर दो पक्षों में विवाद का मामला सामने आया है। एक पक्ष ने गांव के कुछ लोगों पर खेत में खड़ी गन्ने की फसल को ट्रैक्टर से जोतकर नष्ट करने, विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट करने तथा लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग कर जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा परिवार की सुरक्षा की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, 31 अगस्त की रात करीब तीन बजे ग्राम फरीदपुर भौंरू निवासी राजदेव व जगदेव पुत्रगण रघुवीर सिंह, हर्षित पुत्र राजदेव, गजेंद्र व राजेंद्र पुत्रगण धर्मवीर सिंह तथा रजत पुत्र राजेंद्र सिंह कुछ अज्ञात लोगों के साथ इस्लामपुर चांदन स्थित खसरा संख्या 159 में पहुंचे। आरोप है कि उक्त भूमि पर करीब पांच बीघा क्षेत्र में खड़ी गन्ने की फसल को दो ट्रैक्टरों से जुतवाकर नष्ट कर दिया गया। आरोप है कि फसल नष्ट किए जाने की जानकारी मिलने पर शिकायतकर्ता ने मौके पर पहुंचकर इसका कारण पूछा तो आरोपित पक्ष ने गाली-गलौज करते हुए धमकी देना शुरू कर दिया। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और एक व्यक्ति द्वारा लाइसेंसी बंदूक से फायर किए जाने का आरोप लगाया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि फायरिंग में वह और उसका परिवार बाल-बाल बचा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि वह अपनी पत्नी रेनू को आरोपितों से बचाने का प्रयास कर रहा था, तभी आरोपितों ने उसे कथित रूप से बंधक बना लिया और उसकी पत्नी तथा सास के साथ मारपीट की।

परिजनों ने भी लगाए गंभीर आरोप

घटना की जानकारी मिलने के बाद गौरव के सगे साले राजीव चौधरी के मौके पर पहुंचने की बात कही गई है। उनका आरोप है कि नामजद लोगों ने घर में घुसकर मारपीट और लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग की तथा परिवार को जान से मारने और गांव से उजाड़ने की धमकी दी। घटना के बाद से परिवार में भय का माहौल होने का दावा किया गया है। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष ने स्थानीय पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की गुहार लगाई है।

पुलिस जांच के बाद सामने आएगी वास्तविकता

फिलहाल मामले में शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए फसल नष्ट करने, मारपीट, धमकी और फायरिंग सहित अन्य आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगी।

फतेहपुर में पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, 12 उप निरीक्षक लाइन हाजिर

स्थानांतरण

क्र०सं०	नाम	कहां से	कहां को
1.	उ0नि0 श्री अरविन्द कुमार मौर्य	थाना कल्यानपुर	प्र0 चौकी असनी थाना हुसैनगंज
2.	उ0नि0 श्री राजेश कुमार पाठक	प्र0 चौकी लखनऊ बाइपास, थाना कोतवाली नगर	पुलिस लाईन्स
3.	उ0नि0 श्री विजय बहादुर	प्र0 चौकी सदर अस्पताल, थाना कोतवाली नगर	पुलिस लाईन्स
4.	उ0नि0 श्री ईश्वरचन्द्र	प्र0 चौकी रजईया, थाना कोतवाली नगर	पुलिस लाईन्स
5.	उ0नि0 श्री बुद्धिमान सिंह	वरि0उ0नि0 थाना हुसैनगंज	पुलिस लाईन्स
6.	उ0नि0 श्री उमेश दत्त त्रिपाठी	थाना हुसैनगंज	पुलिस लाईन्स
7.	उ0नि0 श्री नारद भारती	थाना खागा	पुलिस लाईन्स
8.	उ0नि0 श्री दिग्विजय सिंह	थाना खखरेरू	पुलिस लाईन्स
9.	उ0नि0 श्री इन्द्रपाल सिंह	वरि0उ0नि0 थाना किशनपुर	पुलिस लाईन्स
10.	उ0नि0 श्री संजीव कटारिया	थाना सुल्तानपुर घोष	पुलिस लाईन्स
11.	उ0नि0 श्री हरिनाथ सिंह	वरि0उ0नि0 थाना गाजीपुर	पुलिस लाईन्स
12.	उ0नि0 श्री धीरज कुमार जायसवाल	प्र0चौकी सरकण्डी, थाना असोथर	पुलिस लाईन्स
13.	उ0नि0 श्री विकास कन्नौजिया	थाना जहानाबाद	पुलिस लाईन्स

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त करने के लिए एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने बड़ा एक्शन लिया है। 13 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है, जिसमें 12 को पुलिस लाइन हाजिर कर दिया गया है। प्राप्त सूची के अनुसार थाना कल्यानपुर में तैनात उ0नि0 अरविन्द कुमार मौर्य को प्रभारी चौकी असनी थाना हुसैनगंज भेजा गया है। जबकि कोतवाली नगर की लखनऊ बाईपास चौकी प्रभारी राजेश कुमार पाठक, सदर अस्पताल चौकी प्रभारी विजय बहादुर, रड़ैयां चौकी प्रभारी ईश्वरचन्द्र, हुसैनगंज के वरिष्ठ उप निरीक्षक बुद्धिमान सिंह, थाना हुसैनगंज के उग्रेश दत्त त्रिपाठी, थाना खागा के नारद भारती, थाना खखरेरू के दिग्विजय सिंह, थाना किशनपुर के वरिष्ठ उप निरीक्षक इन्द्रपाल सिंह, थाना सुल्तानपुर घोष के संजीव कटारिया, थाना गाजीपुर के वरिष्ठ उप निरीक्षक हरिनाथ सिंह, असोथर की सरकण्डी चौकी प्रभारी धीरज कुमार जायसवाल और थाना जहानाबाद के विकास कन्नौजिया को पुलिस लाइन से सम्बद्ध कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह तबादले प्रशासनिक आधार पर किये गए हैं। एक साथ 12 दरोगाओं के लाइन हाजिर होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

7 सितंबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे पंचायत सहायक, कार्य बहिष्कार का दिया अल्टीमेटम

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- पंचायत सहायक सहायक कर्मचारी यूनियन उत्तर प्रदेश (सम्बद्ध- सोशल कम डाटा एंट्री ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन) ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 7 सितंबर 2026 से लखनऊ के इको गार्डन में अनिश्चितकालीन विशाल धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही यूनियन ने मांगें पूरी न होने पर पूर्ण कार्य बहिष्कार की चेतावनी भी दी है।इस संबंध में यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी (DPRO) बिजनौर को एक ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों और आंदोलन के बारे में अवगत कराया गया है। पंचायत सहायकों का कहना है कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर शासन और विभाग द्वारा सौंपे गए सभी ऑनलाइन, डिजिटल और प्रशासनिक कार्यों का

लगातार जिम्मेदारी से निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।यूनियन ने मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें रखी हैं:मानदेय में वृद्धिः पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाकर ग्राम पंचायत सचिव के समकक्ष न्यूनतम 30,000 प्रति माह किया जाए।स्थायीकरण और राज्य कर्मचारी का दर्जाः अनुबंध/संविदा प्रक्रिया को समाप्त कर पंचायत सहायकों को स्थायी करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।प्रतिनिधिमंडल से मुलाकातः मुख्यमंत्री जी से पंचायत सहायकों के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की सीधी मुलाकात कराई जाए।महिला कर्मचारियों को सुविधाएंः महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश (मैटर्निटी लीव) की सुविधा दी जाए और ट्रांसफर व समायोजन की नीति लागू हो।भर्ती में आरक्षणः आगामी ग्राम विकास अधिकारी (VDO) और ग्राम पंचायत अधिकारी (DPO) की भर्ती में पंचायत सहायकों को उनके अनुभव के आधार पर 50 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाए।यूनियन ने स्पष्ट किया है कि यदि धरना प्रदर्शन के दौरान उनकी न्यायोचित मांगों पर शासन और प्रशासन स्तर से कोई ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो प्रदेश के सभी पंचायत सहायक पूरी तरह से कार्य बहिष्कार पर चले जाएंगे। संगठन ने प्रशासन से अपील की है कि शांतिपूर्ण ढंग से होने वाले इस आंदोलन को सहयोग प्रदान किया जाए और आंदोलन में शामिल होने वाले किसी भी पंचायत सहायक के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।

तेज बारिश से असोथर, सरकंडी और जरौली में 16 घर गिरे, गृहस्थी का सामान मलबे में दबा

कई घरों में भरा पानी, पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की

असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- कई दिनों से हो रही तेज बारिश ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ नगर पंचायत असोथर में भी आफत बन गई है। लगातार बारिश के चलते असोथर नगर पंचायत, ग्राम पंचायत सरकंडी और जरौली क्षेत्र में कुल 16 घर गिर गए। वहीं कई घरों में बारिश का पानी भर जाने से खाने-पीने का सामान और गृहस्थी का सामान खराब हो गया। मकान गिरने से प्रभावित परिवारों के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। नगर पंचायत असोथर के तेलनापर, परभू डेरा, वार्ड नंबर 15 और वार्ड नंबर 5 में सुंदर पासवान, गुंडा पासवान, हीरा रैदास, सुनील सिंह चौहान, विनोद सिंह, रंजीत मिश्रा, राधा मिश्रा, नीरज अग्निहोत्री, पप्पू अटॉक, कल्याण सिंह, विजय मिश्रा, मनोज सिंह और बलवंत सिंह समेत अन्य लोगों के मकान तेज बारिश के कारण गिर गए। कुछ लोगों के घरों में पानी भर गया, जिससे राशन, कपड़े और अन्य घरेलू सामान खराब हो गया। वहीं असोथर विकासखंड की ग्राम पंचायत सरकंडी के मजरे मैकुआपुर में पुरुषोत्तम निषाद और बब्बू का डेरा में अर्जुन निषाद का मकान भी बारिश के कारण गिर गया। इसी तरह जरौली निवासी लाल चंदन सिंह का घर भी ढह गया। मकान गिरने से उनकी गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया और पानी भरने से खाने-पीने समेत अन्य सामान खराब हो गया।मकान गिरने और जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान की जांच कराकर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण जर्जर और कच्चे मकानों पर खतरा बना हुआ है। राजस्व विभाग के लेखपालों ने बताया कि प्रभावित मकानों का मौका मुआयना किया जाएगा। इसके बाद बारिश से हुए नुकसान का आकलन कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

समाजसेवी और नेता चौधरी फहीमुर्रहमान का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखने वाले प्रतिष्ठित समाजसेवी, संस्कारी और अपने मिलनसार व्यवहार के लिए नेता चौधरी फहीमुर्रहमान (1951-2026) का लंबी बीमारी के चलते गुरुवार की सुबह निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास की ओर उमड़ पड़े।मोहल्ला मुस्लिम चौधरियान

निवासी चौधरी फहीमुर्रहमान नगर के बिड़ला कन्या इंटर कॉलेज और महिला डिग्री कॉलेज सहित कई शैक्षणिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। सामाजिक कार्यों के साथ-साथ राजनीति में भी उनकी गहरी रुचि थी। अपने खुशमिजाज स्वभाव के कारण वह हर वर्ग के लोगों में बेहद लोकप्रिय थे। उनके निधन पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों और राजनेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में विधायक अशोक कुमार राणा, पूर्व राज्यमंत्री मूलचंद्र चौहान, पूर्व रिटायर्ड आईएएस आरके सिंह, विधायक कमाल समाजसेवी चिकित्सक डा. मनोज कुमार वर्मा, पूर्व विधायक हाजी नईमुलहसन और चेयरमैन फैसल वारसी शामिल हैं। इसके अलावा सपा नेता अमित चौहान, आसपा नेता जावेद अहमद, सिटी प्रेस क्लब स्योहारा के अध्यक्ष संजय सिंह सागर मौलाना अरशद हक्की, बसपा नेता हाजी इलियास चौधरी, युवा कांग्रेस नेता चौधरी नासिर उर्फ आदिल, बसपा नेता आदिल चौधरी, डा. दानिश कमाल, हाजी जमील अहमद और असजद चौधरी सहित सैकड़ों लोगों ने उनके निधन को क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया।

डीएम और एसपी ने नगीना पहुंच कर रामढ़ोल जुलूस की तैयारियों का जायजा लिया

नगीना/बिजनौर (सब का सपना) जनपद के नगीना मे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन निकलने वाला पश्चिम उत्तर प्रदेश का बहुत चर्चित रामढोल जुलूस 5 सितंबर को निकलना है। बहुचर्चित रामडोल जुलूस को शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गुरुवार शाम लगभग 5:30 बजे जिलाधिकारी जसजीत कौर और तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक के.के. विश्नोई ने भारी पुलिस फोर्स के साथ जुलूस व झांकी मार्गों का पैदल फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण

किया। फ्लैग मार्च चितौड़गढ़ पुलिस चौकी से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों–स्टेशन रोड, गांधी मूर्ति तिराहा, नगरपालिका रोड, बाजार लुहारी सराय, बाजार मंझलैटा, बड़ा मंदिर, बारादरी, जामा मस्जिद, सैयदवाड़ा और नगीना-बढ़ापुर रोड होते हुए जुलूस के समापन स्थल ब्राहमणी वाला तालाब पर जाकर संपन्न हुआ। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिनिस्ट पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त नजर रखी जाएगी। इस दौरान एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार, सीओ राजेश सिंह, एसडीएम प्रिंस कुमार, ईओ सतीश कुमार तथा थाना प्रभारी विकास के अलावा जुलूस के आयोजन सलील अग्रवाल, राजकुमार बिश्नोई, मुकेश अग्रवाल, समेत बड़ी संख्या में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण पूरा करने के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक बिजनौर के लिए रवाना हो गए।

स्योहारा में गोवंश कटान मामले में महिला समेत तीन गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने गोवंश कटान के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गांगन नदी के पास मिले थे अवशेषपुलिस के अनुसार, बीती 1 सितंबर 2026 को स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर खेड़ी के पास गांगन नदी के किनारे गोवंशीय पशु के अवशेष बरामद हुए थे। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ गोवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।पुलिस मुठभेड़ में

दो गिरफ्तारआज, 3 सितंबर 2026 को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया:फिरोज (घायल): पुत्र साकिब, निवासी ग्राम शाहपुर खेड़ी, स्योहारा। यह पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है।विपिनः पुत्र ऋषिपाल सिंह, निवासी ग्राम कमाला, स्योहारा।दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।जांच में सामने आया महिला का नाम, मांस बरामदविवेचना के दौरान मामले में एक महिला नूर बानो (पत्नी नौसाद, निवासी ग्राम रहपनपुर, स्योहारा) का नाम भी प्रकाश में आया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नूर बानो को भी गिरफ्तार कर लिया।

उसके पास से 2 किलो 50 ग्राम गोवंशीय मांस और पशु कटान के उपकरण (एक लकड़ी का गुटका और 2 रस्सी के टुकड़े) बरामद किए गए हैं।इस कार्रवाई के बाद मुकदमे में पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

जेएसएम पब्लिक स्कूल शाहपुर में जन्माष्टमी की धूम

अमरोहा (सब का सपना):- जेएसएम पब्लिक स्कूल, शाहपुर में कृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिसमें कृष्ण लीला, भजन-कीर्तन और नृत्य प्रमुख रहे। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रबंधक महेश गौतम, प्रधानाचार्य संतराम सिंह तथा समस्त टीचिंग स्टाफ मौजूद रहे।

बच्चों को सजाने-संवारने और तैयार करने में शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कशिश मैडम, निशा मैडम, अनामिका मैडम और संध्या मैडम ने बच्चों को अनुशासित रखने में अहम योगदान दिया। साहब सिंह, नाजिया मैडम, साजिया मैडम, अल शिफा मैडम और आकांक्षा मैडम ने भी बच्चों की प्रस्तुतियों को सफल बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। स्कूल प्रशासन ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों और धार्मिक भावनाओं को बढ़ावा देने का प्रयास सराहनीय बताया। कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेंटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती है। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूंघ लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं।

नींबू के पत्तों म एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलाव इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लैटुलेंस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूंघने की सलाह देते हैं।

सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता हैं। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी न्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -

बर्पी एक्सरसाइज

बर्पी एक्सरासइज वजन कम करने के लिए बहुत असरदार है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, इस एक्सरसाइज के जरिए 81 किलो का इंसान एक बार में लगभग 15 कैलोरी बर्न कर सकता है। वहीं, 60 सेकेंड में 10 बार बर्पी करने से वजन तेजी से कम होगा लेकिन एक्सरसाइज को लगातार रुटीन में किया जाए तो।

स्विमिंग एक्सरसाइज

घुटने की किसी चोट की वजह से अगर आप एक्सरसाइज नही कर पा रहे तो स्विमिंग करना आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इससे एक बार में 255 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इसके साथ बटरफ्लाई स्ट्रोक कर के 1/2 घंटे में 400 कैलोरी बर्न हो सकती है। दरअसल स्विमिंग करते समय पूरा शरीर काम करता है जिससे मोटापा तेजी से कम होता है। इसे सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है।

स्क्वेट एक्सरसाइज

स्क्वाट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्क्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नही करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेसिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलीरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहल 15 मिनट से शुरुआत कर सकते हैं।

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

ब्रेस्ट साइज में बदलाव

माहवारी के दौरान शरीर के हॉर्मोन लेवल में उतार-चढ़ाव आते हैं, जिसका असर ब्रेस्ट साइज पर भी पड़ता है। साथ ही गर्भधारण व मेनोपॉज के दौरान भी ब्रेस्ट और निपल्स के साइज का बदलना स्वाभाविक है।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

क्या है के पॉप डाइट

फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी **लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी** के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बढ़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के पॉप डाइट' और क्या हैं इसके फायदे।

क्या है के-पॉप डाइट?

कोरियन डाइट या के-पॉप डाइट आजकल लोगों के बीच काफी चर्चा में बनी हुई है। इस डाइट की मदद से व्यक्ति बड़ी आसानी से अपना वजन कम कर सकता है। दरअसल, कोरियन डाइट में मील्स के बीच में स्नैक्स नहीं लिए जाते। इस डाइट में फैटी एसिड, शुगर या प्रोसेस्ड फूड को भी शामिल नहीं किया जाता है। के-पॉप डाइट में खाने को कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि उसके गुण सुरक्षित रहें। इसमें ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है और शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ ही स्किन अच्छी होती है।

कोरिया की के-पॉप डाइट में क्या होता है

कोरियन डाइट में ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है लेकिन शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। डाइट फॉलो करनेवाले लोगों को आहार में कम कैलोरी वाले फूड्स जैसे-फल, सब्जियां, सूप और सलाद शामिल करना चाहिए, जो पौष्टिक होने के साथ पेट भरते हों। इसके अलावा डाइट में लीन मीट (चिकन), अंडे, टोफू, मशरूम और शिताके भी शामिल कर सकते हैं।

कोरियन डाइट प्लान के नियम

- कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, सूप और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

के-पॉप डाइट के फायदे

- कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।
- हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।
- इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।
- इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चेहरे पर मुंहासों की समस्या से निजात मिलता है।

लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू

आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं हैं। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती हैं।

तनाव इस बिमारी की मुख्य वजह हैं। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते है। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते है वो भी मिर्च से। जी हां, मिर्च ऐसी चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेस्वाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते है कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता हैं। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना हैं की, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजो के घर गया हूं उनमे से कोई भी मरा नहीं हैं। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूं (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खडे हो जाते हैं।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा।

ख'मुंज्या' की सफलता के बाद क्या अब दबाव महसूस होता है?

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं।मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।'

उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।

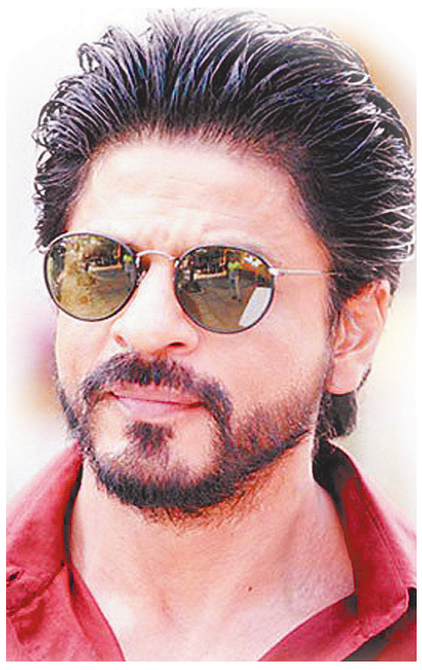

'मिर्जापुर' में 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

रुक्मिणी वसंत के लिए मुसीबत बनी टॉक्सिक

फैंस सुना रहे खरी-खोटी

यश की 'टॉक्सिक' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर देश में 101.10 करोड़ का नेट कलेक्शन कर बंपर शुरुआत की है। गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यश के फैंस सिनेमाघरों में सीटियां बजा रहे हैं, वहीं 'कांतारा' फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के लिए यह सिर दर्द' साबित हो रहा है।

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' में लोगों ने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में देखा और खूब सराहा। लेकिन अब 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके बेडरूम सीन को देख लोग खफा हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलुरु में पैदा हुई 29 साल की रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभाया है। महज 7 साल पहले 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बीरबल ट्रायोलॉजी' से करियर शुरू करने वाली रुक्मिणी के लिए यह नई फिल्म करियर में बड़ा महत्व रखता है। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर उनके ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उस बेडरूम सीन को लेकर। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और रेडिट पर वायरल हो क्लिप में रुक्मिणी बिस्तर पर सिर्फ एक कंबल ओढ़े दिख रही हैं। फिल्म में यह यश के किरदार राया के साथ इंटीमेट होने के बाद की सुबह का दृश्य है। यूजर्स ने इस सीन पर सवाल उठाते हुए लिखा है, 'रुक्मिणी, यह क्या बकवास है?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं ऐसे सीन को कैसे समझूं? रुक्मिणी, सच कहूं तो मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी!'

यूजर्स ने पूछा- टॉक्सिक की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी आपने?

एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'क्या आपने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी? इतनी घटिया स्क्रिप्ट क्यों चुनी?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इससे ठीक पहले के सीन में मेलिसा बिना कुछ कहे अपने कपड़े उतारने लगती है। यह क्या है, रुक्मिणी से ऐसे सीन की उम्मीद नहीं थी।'

डीपफेक बिकिनी वीडियो का शिकार बनी थीं रुक्मिणी वसंत

बहरहाल, रुक्मिणी वसंत की ओर से अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न ही मेकर्स ने ही कोई जवाब दिया है। इससे पहले इसी साल मई 2026 में रुक्मिणी वसंत 'डीपफेक' का भी शिकार बनी थीं। तब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उनका एक स्विमिंग पूल वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह हरे रंग की बिकिनी में नजर आई। दावा किया गया कि यह किसी शूटिंग का हिस्सा है।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गई, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोनो खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं। फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'

करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं।

'ललकार' के लिए बड़ा बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे आमिर

आमिर खान एक बार फिर अपने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की तैयारी में हैं। आमिर जल्द ही निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकार' में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर सामने आई नई जानकारी के मुताबिक...

'आमिर अपने किरदार के लिए बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वह करीब 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अपनी उम्र से काफी कम दिखने के लिए एक्टर वजन कम करने की खास तैयारी कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म के लिए वजन कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह एक बड़े वेट लॉस प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। आमिर के लिए यह बदलाव केवल वजन घटाने तक सीमित नहीं होगा। किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए उनके लुक, बॉडी शेप और स्क्रीन प्रेजेंस पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।' आमिर पहले भी अपनी उम्र से अलग किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका चुके हैं। '3 इडियट्स' में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का किरदार निभाया था।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?' अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।